

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 300 | श्री विजयपुरम, मंगलवार, 10 नवंबर 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए



चिकित्सीय आपातकाल/एम्बुलेंस सेवा के लिए कृपया 112 पर डायल करें।

दक्षिण अण्डमान ज़िला योजना समिति की बैठक आज से

श्री विजयपुरम, 9 नवंबर।

दक्षिण अण्डमान ज़िला (कैम्पबेल बे राजस्व क्षेत्र सहित) की ज़िला योजना समिति की बैठक 10 एवं 11 नवंबर को ज़िला परिषद, दक्षिण अण्डमान के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता दक्षिण अण्डमान ज़िला परिषद के अध्यक्ष श्री पी. उम्मर करेंगे।बैठक में ज़िला योजना समिति के सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य तथा अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के योजना कार्यान्वयन से संबंधित विभागों के सचिव एवं विभागाध्यक्ष भाग लेंगे। बैठक का उद्देश्य वर्ष 2027–2028 के लिए प्राथमिकता आधारित ज़िला कार्ययोजना को तैयार कर अंतिम रूप देना तथा वर्ष 2026–2027 के लिए दक्षिण अण्डमान ज़िले (कैम्पबेल बे राजस्व क्षेत्र सहित) की पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) की कार्ययोजना की प्राथमिकताएं निर्धारित करना है।

बैठक का कार्यक्रम निम्नानुसार है:

10 नवंबर को: शिक्षा विभाग, जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम), अण्डमान कॉलेज (एनकॉल), डॉ. बी. आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीब्राइट), टैगोर कॉलेज, विधि महाविद्यालय, खेल एवं युवा कार्य, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा, मत्स्य, कृषि, आपदा प्रबंधन, समाज कल्याण, अण्डमान लोक निर्माण विभाग (एपीडब्ल्यूडी), ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्था, ज़िला प्रशासन, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, विद्युत विभाग तथा नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग।

11 नवंबर को: जहाजरानी विभाग, पत्तन प्रबंध बोर्ड, परिवहन विभाग, पर्यावरण एवं वन विभाग, उद्योग विभाग, सूचना, प्रचार एवं पर्यटन विभाग, राजकीय मुद्रणालय, स्वास्थ्य विभाग, श्रम, रोज़गार एवं प्रशिक्षण विभाग, जनजातीय कल्याण विभाग, श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद (एसवीपीएमसी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, पुलिस एवं अग्निशमन सेवा, कला एवं संस्कृति विभाग, नागरिक उड्डयन विभाग, कार्मिक (नकद), लेखा एवं बजट, विधि विभाग, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार (आरसीएस) विभाग। यह जानकारी दक्षिण अण्डमान ज़िला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

आइलैंड बीच गेम्स 2026 का आयोजन अब 13 एवं 14 नवंबर को

श्री विजयपुरम, 9 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय ने स्वीकृत पर्यटन कार्यक्रम कैलेंडर के अंतर्गत आयोजित होने वाले आइलैंड बीच गेम्स 2026 की तिथियों में बदलाव करते हुए अब इसका आयोजन 13 एवं 14 नवंबर, 2026 को दक्षिण अण्डमान के वंडूर तट तथा उत्तर अण्डमान के डिगलीपुर के रामनगर तट पर निर्धारित किया है।

दो दिवसीय इस खेल आयोजन का संचालन उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला प्रशासन, पंचायती राज संस्थाओं, शिक्षा निदेशालय, खेल एवं युवा कार्य विभाग तथा अन्य संबंधित हितधारकों के समन्वय से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य समुद्र तट पर्यटन को बढ़ावा देना, खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना तथा सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ करना है।

इस आयोजन में पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में बीच वॉलीबॉल, रस्साकशी, पंजा लड़ाने तथा 100 मीटर दौड़ की रोमांचक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इससे स्थानीय युवाओं एवं खेल प्रेमियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, द्वीपसमूह में समुद्र तट आधारित खेलों एवं मनोरंजक पर्यटन की अपार संभावनाओं को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उचित पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। वंडूर में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी खेल एवं युवा कार्य विभाग के वॉलीबॉल प्रशिक्षक (9434290640) अथवा सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय के एचके सहायक प्रबंधक (9434282324) से संपर्क कर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार डिगलीपुर के रामनगर तट पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति खंड विकास अधिकारी श्री बिजॉय कुमार दास (9531829647) अथवा पर्यटन विभाग के सहायक प्रबंधक श्री कृष्ण कुमार (9434290132) से संपर्क कर सकते हैं।

सूचना, पर्यटन एवं पर्यटन निदेशालय ने स्थानीय युवाओं, खेल प्रेमियों एवं आम जनता से इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लेने तथा खेल भावना, पर्यटन और सामुदायिक सहभागिता के इस उत्सव को यादगार बनाने की अपील की है।

द्वीप पर्यटन महोत्सव–2026 का हिस्सा बनें : स्टॉल आवंटन हेतु आवेदन आमंत्रित

श्री विजयपुरम, 9 नवंबर।

द्वीप पर्यटन महोत्सव, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के प्रमुख वार्षिक आयोजनों में से एक है। यह महोत्सव द्वीपसमूह की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, खान–पान की विविधता, कलात्मक परंपराओं तथा उद्यमशीलता की क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करता है। इस महोत्सव में बड़ी संख्या में आगंतुकों, पर्यटकों एवं स्थानीय निवासियों की भागीदारी होती है। यह उद्यमियों, व्यापारियों, शिल्पकारों एवं विक्रेताओं को अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने, अपनी सेवाओं का प्रचार–प्रसार करने, व्यावसायिक अवसरों का लाभ उठाने तथा व्यापक जनसमूह तक पहुंच बनाने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय इच्छुक होटल संचालकों, रेस्तरां मालिकों, निजी प्रतिष्ठानों, खाद्य विक्रेताओं, स्वयं सहायता समूहों (ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से) तथा अन्य पात्र प्रतिभागियों से द्वीप पर्यटन महोत्सव (आईटीएफ)–2026 के अंतर्गत खाद्य स्टॉल, सामान्य स्टॉल, कियोस्क एवं खुले स्थानों के आवंटन हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। यह आवंटन पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा।

द्वीप पर्यटन महोत्सव–2026 का आयोजन 27 से 31 दिसंबर, 2026 तक यहां के वीआईपी रोड स्थित प्रदर्शनी मैदान में किया जाएगा। पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं सभी आवेदकों को समान अवसर सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्टॉलों का आवंटन निर्धारित समिति द्वारा लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। यह प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं शर्तों के पूर्ण अनुपालन में संपन्न होगी।

सूचनना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति में आवेदकों को सलाह दी गई है कि वे दिशा–निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा यह सुनिश्चित करें कि सभी आवश्यक दस्तावेज़, भुगतान एवं घोषणाएं आवेदन पत्र के साथ जमा की गई हों। अधूरे आवेदन तथा निर्धारित अंतिम तिथि एवं समय के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन जमा करने एवं स्टॉल आवंटन की प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण तिथियां निम्नलिखित हैं:

क्र. सं.	विवरण	तिथि
1.	आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन पत्र उपलब्ध होने की तिथि	11.11.2026
2.	विधिवत भरे हुए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि	25.11.2026
3.	समिति द्वारा लॉटरी के माध्यम से स्टॉलों का आवंटन	01.12.2026
4.	सफल आवेदकों को आवंटन पत्र जारी करना	12.12.2026

स्टॉलों की विभिन्न श्रेणियों, किराया शुल्क, सुरक्षा जमा राशि, आवेदन प्रक्रिया तथा लागू नियमों एवं शर्तों से संबंधित विस्तृत जानकारी सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय की आधिकारिक वेबसाइट के **https://tourism.andamannicobar.gov.in/** अनुभाग में 11 नवंबर, 2026 से प्रकाशित की जाएगी।

आवेदक निर्धारित आवेदन पत्र डाउनलोड कर उसे विधिवत भरकर एवं हस्ताक्षरित करने के पश्चात आवश्यक किराया राशि, सुरक्षा जमा राशि तथा नियमों एवं शर्तों की हस्ताक्षरित पावती प्रति के साथ पर्यटन विभाग (संचालन अनुभाग), सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय, श्री विजयपुरम में 25 नवंबर, 2026 तक जमा कर सकते हैं।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी बहुप्रतीक्षित द्वीप पर्यटन महोत्सव–2026 द्वीपसमूह की जीवंत संस्कृति, विविधतापूर्ण खान–पान, रचनात्मकता एवं उद्यमशीलता की भावना को एक मंच पर लाने का वादा करता है। सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय सभी संबंधित हितधारकों से इस महोत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लेने तथा इसे भव्य, यादगार एवं शानदार ढंग से सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करने का आह्वान करता है। आवेदन प्रक्रिया एवं स्टॉल आवंटन से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए इच्छुक आवेदक कार्यालय समय के दौरान प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय के प्रबंधक (संचालन/पर्यटन) से संपर्क कर सकते हैं।

मच्छरों के प्रजनन पर नियंत्रण एवं रोकथाम की दिशा में

नगरपालिका क्षेत्र में चलेगा साप्ताहिक लार्वा–रोधी एवं जलभराव उन्मूलन अभियान

श्री विजयपुरम, 9 नवंबर।

स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (डीएचएस), श्री विजयपुरम की राष्ट्रीय रोगाणु जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) इकाई द्वारा मच्छरों के प्रजनन को रोकने एवं नियंत्रित करने तथा डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसे मच्छर जनित रोगों के खतरे को कम करने के उद्देश्य से नगरपालिका क्षेत्र में साप्ताहिक लार्वा–रोधी एवं मच्छरों के प्रजनन स्रोतों को समाप्त करने संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

इस पहल के अंतर्गत एनवीबीडीसीपी की टीम द्वारा नियमित रूप से क्षेत्रीय गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इनमें मच्छरों के संभावित प्रजनन स्थलों का निरीक्षण, जमा हुए पानी की पहचान कर उसे हटाना, पानी जमा करने वाले बर्तनों एवं अन्य प्रजनन स्थलों पर लार्वा–रोधी उपाय करना तथा निवासियों को बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना शामिल है।

नगरपालिका क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में व्यवस्थित रूप से इन गतिविधियों को संचालित करने के लिए साप्ताहिक कार्यक्रम तैयार किया गया है। आम जनता की जानकारी एवं सहयोग के लिए गतिविधियों का कार्यक्रम नीचे प्रदर्शित किया गया है। निवासियों से अपील की गई है कि वे क्षेत्रीय टीमों के दौरे के दौरान उन्हें पूरा सहयोग प्रदान करें तथा अपने परिसरों का निरीक्षण करने में सहायता करें। इसके साथ ही आम जनता को निम्नलिखित निवारक उपाय अपनाने की सलाह दी गई है:

- घरों, भवनों एवं सार्वजनिक स्थानों के अंदर तथा आसपास पानी जमा न होने दें।
- पानी के भंडारण वाले बर्तनों को नियमित रूप से खाली करें, रगड़कर साफ करें तथा स्वच्छ रखें।
- छत पर बनी पानी की टंकियों, ड्रमों एवं पानी रखने वाले अन्य बर्तनों को अच्छी तरह ढककर रखें।
- पुराने एवं बेकार टायर, नारियल के खोल, प्लास्टिक के बर्तन तथा वर्षा जल या ओस की बूंदें जमा करने वाली अन्य वस्तुओं को हटा दें।
- आसपास के क्षेत्रों में साफ–सफाई बनाए रखें तथा ठोस कचरे का उचित निपटान सुनिश्चित करें।
- लार्वा–रोधी एवं मच्छरों के प्रजनन स्रोतों को समाप्त करने संबंधी गतिविधियों के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों को सहयोग प्रदान करें।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार मच्छरों पर नियंत्रण करना सभी की साझा ज़िम्मेदारी है। मच्छरमुक्त एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रत्येक घर और समुदाय की सक्रिय भागीदारी एवं सहयोग आवश्यक है। एनवीबीडीसीपी इकाई, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, श्री विजयपुरम ने सभी निवासियों से निवारक उपायों का कड़ाई से पालन करने तथा नगरपालिका क्षेत्र में मच्छरों के प्रजनन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए साप्ताहिक कार्यक्रम में सहयोग देने की अपील की है।

विज्ञप्ति के अनुसार सोमवार को सृष्टि नगर, मरीन हिल, चाथम फोरशोर रोड, मेगापोड–बी, अनारकली, प्रेम नगर–ए, रांची टेकरी, लाल बिजन, सीपीडब्ल्यूडी क्वार्टर, पीएस मिल, काजू बस्ती, चक्कर गांव, बरगद लाइन, नेपाली बस्ती, आटम पहाड़ तथा डॉलीगंज–ए आदि शामिल होंगे।

मंगलवार को मरीन डॉकयार्ड, मोहनपुरा, एसबीआई, हैडो घाट, मच्छी बस्ती, रांची बिजन, फीनिक्स बे, प्रेम नगर–बी, काली मंदिर, बम्बू बस्ती, लाल बैरक, यूएससी डेयरीफार्म, बाबू लेन, पुलिस लेन, चिन्मया मिशन, भातूबस्ती आदि शामिल होंगे।

बुधवार को बिग्गी लेन, गुरूद्वारा लाइन, सप्लाई लेन, हैडो पक्का बिजन, साहुल बस्ती, लिलिपुर–ए, दिलानीपुर से गोलघर, वीआईपी रोड, विजय भाग, सागरीतारा प्रेस, तिरूपति मंदर–ए, नया गांव तथा गाराचरामा आदि शामिल होंगे।

गुरूवार को मोहनपुरा, बाबू लेन, राउंड बस्ती, हैडो तिरूपति मंदिर, चिल्ड्रन पार्क, हैडो तेलुगु माध्यम स्कूल, बिड़नाबाद, जंगलीघाट, ओल्ड सीसीएस, आइलैंड बेकरी, डीन स्ट्रीट, जापान रोड, फिशरीज कॉलोनी, तिरूपति मंदिर–बी, दूध लाइन, शादीपुर, सुभाषनगर, मच्छी लाइन, पत्थरगढड्डा

शेष पृष्ठ 4 पर

होमस्टे संचालन एवं सतत पर्यटन प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

श्री विजयपुरम, 9 नवंबर।

होमस्टे संचालन–कक्ष प्रबंधन एवं सतत पर्यटन प्रबंधन पर छह दिवसीय व्यापक प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम आज आपदा प्रबंधन निदेशालय के प्रशिक्षण सभागार में शुरू हुआ। पर्यटन विभाग द्वारा मुंबई स्थित होटल प्रबंधन, खानपान प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान (आईएचएम) के सहयोग से रैम्प योजना के अंतर्गत आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 14 नवंबर तक चलेगा।



इस पहल का उद्देश्य वर्तमान होमस्टे संचालकों, इच्छुक उद्यमियों एवं उनके कर्मचारियों को होमस्टे संचालन, कक्ष प्रबंधन, गृह व्यवस्था के मानकों, अतिथि सेवा तथा सतत पर्यटन संबंधी गतिविधियों में व्यावहारिक कौशल प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना है।

आज के प्रशिक्षण सत्रों का संचालन मुंबई स्थित आईएचएम की विशेषज्ञ प्रशिक्षक सुश्री चंद्रकला बिस्वास ने किया। इन सत्रों में गृह व्यवस्था की मूलभूत जानकारी, सफाई की समय–सारणी, कमरों की तैयारी, सफाई के उपकरण एवं सामग्री, विभिन्न सतहों की देखभाल, बिस्तर की चादरों एवं अन्य वस्त्रों का रखरखाव तथा स्वच्छता एवं साफ–सफाई के बुनियादी मानकों पर विशेष ध्यान दिया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रतिभागियों को द्वीपसमूह की पर्यटन संभावनाओं, घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की विशेषताओं, स्थानीय उद्यमों की भूमिका, पर्यटकों की आधुनिक अपेक्षाओं तथा अतिथियों के साथ पेशेवर व्यवहार एवं सेवा के बारे में भी जानकारी दी गई।

वर्तमान में कई पंजीकृत होमस्टे संचालक एवं इच्छुक उद्यमी इस प्रशिक्षण में भाग ले रहे हैं। इसके अतिरिक्त, होमस्टे शुरू करने अथवा उसका संचालन करने के इच्छुक अन्य व्यक्ति भी इस जारी प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

पंजीकरण एवं अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति 10 नवंबर, 2026 तक पर्यटन विभाग के योजना अनुभाग से संपर्क कर सकते हैं।

कार निकोबार में आयोजित सुनामी जागरूकता कार्यक्रम में आपदा से निपटने की तैयारियों पर ज़ोर

कार निकोबार, 9 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के आपदा प्रबंधन निदेशालय द्वारा हैदराबाद स्थित भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (इनकॉयस) तथा दक्षिण अण्डमान, उत्तर व मध्य अण्डमान और निकोबार के ज़िला प्रशासनों के समन्वय से ज़मीनी स्तर पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

इस पहल के तहत 5 नवंबर को कार निकोबार के टीटॉप गांव के सामुदायिक भवन में टीटॉप एवं सवाई गांवों को शामिल करते हुए सुनामी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी क्रम में आज कार निकोबार के एरोंग गांव के सामुदायिक भवन में एक अन्य सुनामी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन निकोबार

शेष पृष्ठ 4 पर

'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' अभियान के तहत माई भारत ने आयोजित किया दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम

श्री विजयपुरम, 9 नवंबर।

माई भारत, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह द्वारा 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत–100 सप्ताह अभियान' के अंतर्गत अभियान के आठवें सप्ताह के अवसर पर अण्डमान महिला मंडल (पुराना एनवाईके कार्यालय), श्री विजयपुरम में राज्य स्तरीय 'दीपावली स्नेह मिलन–माई भारत की युवा उमंग, दीपावली के दीपों के संग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 70 माई भारत युवा स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।



कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित चिन्मय मिशन के सचिव स्वामी शुद्धानंद सरस्वती ने किया। उन्होंने सभी से त्योहारों को ज़िम्मेदारीपूर्वक मनाने तथा शांतिपूर्ण एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। माई भारत के संयुक्त निदेशक श्री सुखरंजन बिस्वास ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत–100 सप्ताह अभियान' के तहत युवा स्वयंसेवकों के योगदान को प्रोत्साहित करने, सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ करने तथा पारंपरिक त्योहारों के मूल्यों को बढ़ावा देने के साथ–साथ नशामुक्त भारत के सामूहिक संकल्प को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के अंतर्गत युवा स्वयंसेवकों ने पारंपरिक दीप प्रज्वलन, आकर्षक रंगोली निर्माण तथा मिठाइयों के वितरण में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके अलावा, टीम भावना, आपसी संवाद एवं सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों एवं खेलों का आयोजन किया गया। विभिन्न गतिविधियों के विजेताओं को उनके उत्साह एवं सहभागिता के सम्मानस्वरूप उपयोगी उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बिलीग्राउंड से लापता महिला को 15 घंटे के भीतर खोज निकाला

मायाबंदर, 9 नवंबर।

मध्य अण्डमान के बिलीग्राउंड के हरि नगर निवासी एक महिला के लापता होने की शिकायत प्राप्त होने पर 8 नवंबर, 2026 को बिलीग्राउंड पुलिस थाने में मामला दर्ज़ किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल तलाशी अभियान शुरू किया। लापता महिला का पता लगाने के लिए लगातार प्रयास किए गए तथा उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के अन्य पुलिस थानों के साथ व्यवस्थित रूप से संपर्क एवं प्रभावी समन्वय स्थापित किया गया।

उत्तर व मध्य अण्डमान के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार निरंतर प्रयासों एवं आपसी समन्वय के फलस्वरूप 9 नवंबर, 2026 को शिकायत प्राप्त होने के 15 घंटे के भीतर महिला को कदमतला में खोज निकाला गया। ज़िला पुलिस त्वरित कार्रवाई, प्रभावी पुलिस व्यवस्था एवं आम जनता की सहायता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है।

राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए राज्य स्तरीय चयन प्रतियोगिता 21 एवं 22 नवंबर को

श्री विजयपुरम, 9 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह बैडमिंटन संघ (एएनआईबीए) द्वारा आगामी राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में द्वीपसमूह का प्रतिनिधित्व करने के लिए वरिष्ठ वर्ग (पुरुष एवं महिला) के खिलाड़ियों के चयन हेतु 21 एवं 22 नवंबर, 2026 को राज्य स्तरीय चयन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें एकल, युगल एवं मिश्रित युगल स्पर्धाओं के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा।

राज्य स्तरीय चयन प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित खिलाड़ी 17 से 24 दिसंबर, 2026 तक ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित होने वाली वरिष्ठ राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का प्रतिनिधित्व करेंगे।

खिलाड़ियों को 16 नवंबर, 2026 तक या उससे पहले गूगल फॉर्म के माध्यम से अपना प्रवेश आवेदन जमा करने की सलाह दी गई है। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष संख्या 9531916580 पर संपर्क किया जा सकता है।

पात्र खिलाड़ियों से चयन प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने तथा राष्ट्रीय स्तर पर अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त करने की अपील की गई है।

इग्नू शिक्षार्थियों के लिए दिसंबर 2026 सत्रावधि परीक्षा के हॉल टिकट जारी

श्री विजयपुरम, 9 नवम्बर।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने 'समर्थ पोर्टल' के माध्यम से दिसंबर, 2026 की सत्रावधि परीक्षा के लिए हॉल टिकट जारी कर दिए हैं। परीक्षाएं 25 नवंबर, 2026 से शुरू होने वाली हैं। जिन शिक्षार्थियों ने दिसंबर, 2026 की सत्रावधि परीक्षा के लिए आवेदन किया है, उनसे अनुरोध है कि वे समर्थ पोर्टल ¼(https://ignou.samarth.edu.in/index.php/site/login) पर जाकर अपना हॉल टिकट/एडमिट कार्ड डाउनलोड कर लें। इसके लिए उन्हें उसी लॉगिन आईडी का उपयोग करना होगा, जो उन्होंने परीक्षा फॉर्म भरते समय बनाई थी।

शिक्षार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे अपने एडमिट कार्ड/हॉल टिकट पर दी गई सभी जानकारियों–जैसे नामांकन संख्या, प्रोग्राम, परीक्षा केंद्र, कोर्स कोड, परीक्षा की तारीखें और सत्रको ध्यानपूर्वक जांच लें। साथ ही, हॉल टिकट में दिए गए निर्देशों को भी अच्छी तरह पढ़ लें। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार परीक्षा केंद्र पर जाते समय शिक्षार्थियों को अपने हॉल टिकट की प्रिंटेड कॉपी और अपना वैध इग्नू पहचान पत्र साथ ले जाना अनिवार्य है। परीक्षा कक्ष के अंदर किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट ले जाने की अनुमति नहीं है। आवश्यक दस्तावेज़ दिखाने पर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा।यदि किसी शिक्षार्थी को इग्नू दिसंबर 2026 सत्रावधि परीक्षा के संबंध में कोई सहायता या जानकारी चाहिए, तो वे श्री विजयपुरमस्थित इग्नू क्षेत्रीय केंद्र से अथवा लैंमईाइन नंबर–03192–230111/242888, ईमेल rcportblair@ignou.ac.inds माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

कार निकोबार में आयोजित सुनामी जागरूकता ––––––––––––––––पृष्ठ 1 का शेष

ज़िला उपायुक्त कार्यालय के अंतर्गत ज़िला आपातकालीन संचालन केंद्र (डीईओसी) द्वारा स्थानीय समुदायों में सुनामी के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा आपदा से निपटने की तैयारियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से किया गया।



प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को सुनामी के खतरों, उसके कारणों एवं संभावित प्रभावों, सुनामी आने से पहले दिखाई देने वाले प्राकृतिक चेतावनी संकेतों तथा पूर्व चेतावनी प्रणालियों के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इसके अलावा, सुनामी संबंधी चेतावनियों, आपातकालीन संचार व्यवस्था तथा आधिकारिक चेतावनियों पर त्वरित कार्रवाई करने के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई।

मच्छरों के प्रजनन पर नियंत्रण एवं रोकथाम ––––––––––––––––पृष्ठ 1 का शेष

तथा न्यू पहाड़गांव आदि शामिल होंगे। शुक्रवार को अटलांटा प्वाइंट, डिगनाबाद, पानीपत, दुर्गा प्रसाद लिलिपुर–बी, एनके इंटरनेशनल से एलआईसी भवन तक लिंग रोड, शांतिपथ रोड, मिनी बे, कृपानंद कॉलोनी, हुडको कॉलोनी, जवाहरल कॉलोनी, स्काई लाइन कॉलोनी, स्कूल लाइन, साउथ प्वाइंट, मजार पहाड़, फ्लैग प्वाइंट, गवर्नमेंट प्रेस तथा प्रोथरापुर आदि शामिल होंगे। शनिवार को लोक निवास, आरजीटी रोड–ए, आरके मिशन, नेताजी स्टेडियम, पानीपत, सहजीवन कॉलोनी, सुन्दर कॉलोनी, मेगापोड–ए, पोंगी चांग, केवी–1, डीएजी कॉलोनी, गोलघर, मिडिल प्वाइंट, एपीडब्ल्यूडी (सीई) होटल सेंटीनल, लम्बा लाइन से डेयरी फार्म जंक्शन, पोस्टल क्वार्टर, एएलएचडब्ल्यू क्वार्टर, अमृता हॉस्पिटल, दलतमन, आरजीटी–बी, ओल्ड पहाड़गांव तथा डॉलीगंज–बी आदि शामिल होंगे।

लघु सिंचाई विकास योजना के तहत किसानों को वित्तीय सहायता

श्री विजयपुरम, 9 नवंबर।

कृषि विभाग द्वारा केंद्रशासित प्रदेश योजना के अंतर्गत अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में 'लघु सिंचाई विकास' योजना लागू की जा रही है। इस पहल का उद्देश्य विभिन्न प्रकार की सिंचाई सुविधाओं एवं बुनियादी ढाँचे का विकास करके व्यक्तिगत किसानों तथा सहकारी कृषि समितियों को सहायता प्रदान करना है। इसके अंतर्गत ऋण–सह–अनुदान, श्रमदान–सह–अनुदान तथा नकद–सह–अनुदान सहायता प्रणाली के तहत निम्नलिखित घटकों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। ऋण–सह–अनुदान के मामले में लाभार्थी अपने हिस्से की राशि राष्ट्रीयकृत बैंक से ऋण के रूप में प्राप्त कर सकता है।

इस योजना का लाभ उठाने के लिए किसानों को निम्नलिखित सहायता प्रदान की जाएगी:

- तालाबों की खुदाई: न्यूनतम 0.50 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि वाले वास्तविक व्यक्तिगत किसानों अथवा सहकारी कृषि समितियों को अनुमानित लागत का 50 प्रतिशत या प्रति तालाब अधिकतम 1,50,000 रुपये, जो भी कम हो, प्रदान किए जाएँगे।
- आरसीसी रिंग कुएँ का निर्माण: भूमि के स्वामित्व की मात्रा की परवाह किए बिना वास्तविक व्यक्तिगत किसानों अथवा सहकारी कृषि समितियों को अनुमानित लागत का 50 प्रतिशत या प्रति कुआँ अधिकतम 1,00,000 रुपये, जो भी कम हो, प्रदान किए जाएँगे।
- पंपसेट की खरीद (0.5 एचपी से 5.0 एचपी): भूमि के स्वामित्व की मात्रा की परवाह किए बिना वास्तविक व्यक्तिगत किसानों अथवा सहकारी कृषि समितियों को न्यूनतम 0.5 एचपी से अधिकतम 5.0 एचपी क्षमता वाले पंपसेट की खरीद लागत का 50 प्रतिशत या प्रति पंपसेट अधिकतम 10,000 रुपये, जो भी कम हो, अनुदान के रूप में प्रदान किए जाएँगे।
- सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप/स्प्रिंकलर) की स्थापना: न्यूनतम 0.05 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि वाले वास्तविक व्यक्तिगत किसानों अथवा सहकारी कृषि समितियों को पंपसेट सहित प्रणाली की लागत का 75 प्रतिशत या प्रति हेक्टेयर 93,750 रुपये, जो भी कम हो, अनुदान के रूप में प्रदान किए जाएँगे। इसके अतिरिक्त परिवहन पर 100 प्रतिशत अनुदान भी दिया जाएगा।

प्राप्त विज्ञप्ति में इच्छुक किसानों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने निर्धारित क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्यालय से संपर्क कर निर्धारित आवेदन पत्र प्राप्त करें। आवेदन पत्र को पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय में जमा करें।

आवश्यक दस्तावेज़ निर्धारित प्रारूप में पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) से प्राप्त भूमि अभिलेख की नवीनतम प्रति (मूल रूप में) अथवा राजपत्रित अधिकारी या राजस्व अधिकारी द्वारा सत्यापित प्रति, आधार कार्ड की प्रति, किसान के नाम से जारी बैंक खाते के विवरण की प्रति आदि शामिल हैं।

कार्यक्रमों के आयोजन हेतु अण्डमान क्लब का आवंटन

कला एवं संस्कृति विभाग ने सभी संबंधितों से अग्रिम रूप से आवेदन जमा करने का किया आग्रह

श्री विजयपुरम, 9 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के कला एवं संस्कृति निदेशालय ने अण्डमान क्लब में समारोहों अथवा कार्यक्रमों के आयोजन हेतु बुकिंग कराने के इच्छुक सभी सरकारी विभागों, स्वायत्त निकायों, सांस्कृतिक संगठनों एवं गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) को कार्यालय आदेश संख्या 146, दिनांक 27.11.2017 के अनुसार, प्रस्तावित समारोह व कार्यक्रम की तिथि से कम से कम एक सप्ताह पूर्व अपने आवेदन जमा करने की सलाह दी है।

यह देखा गया है कि अक्सर कार्यक्रम की निर्धारित तिथि से केवल एक या दो दिन पहले आवेदन जमा किए जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सक्षम प्राधिकारी से आवेदन के निपटान एवं स्वीकृति प्राप्त करने में विलंब होता है। अतः सभी संबंधितों से अनुरोध किया गया है कि वे आवेदनों के समय पर निपटान एवं स्वीकृति की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए अपने आवेदन पर्याप्त समय पूर्व जमा करें।

निदेशालय ने बुकिंग रद्द करने अथवा कार्यक्रम स्थगित करने के संबंध में निम्नलिखित शर्तों को भी दोहराया है:

1. पूर्व लिखित सूचना: बुकिंग रद्द करने अथवा कार्यक्रम स्थगित करने के संबंध में लिखित सूचना समारोह की निर्धारित तिथि से कम से कम दो दिन पहले जमा करनी होगी। इसमें समारोह की तिथि शामिल नहीं होगी।
2. सूचना अवधि का पालन नहीं करने पर: निर्धारित सूचना अवधि का पालन नहीं किए जाने की स्थिति में सुरक्षा राशि वापस नहीं की जाएगी।
3. समय पर सूचना देने पर राशि की वापसी: यदि बुकिंग रद्द करने अथवा कार्यक्रम स्थगित करने की लिखित सूचना निर्धारित अवधि के भीतर प्राप्त होती है, तो जमा की गई पूरी सुरक्षा राशि एवं अग्रिम किराया वापस कर दिया जाएगा।

सभी सरकारी विभागों, स्वायत्त निकायों, सांस्कृतिक संगठनों एवं गैर–सरकारी संगठनों से अनुरोध किया गया है कि वे अण्डमान क्लब के आवंटन हेतु आवेदनों के सुचारु एवं समयबद्ध निपटान को सुनिश्चित करने के लिए उपर्युक्त निर्देशों तथा संबंधित कार्यालय आदेश में निर्धारित नियमों एवं शर्तों का कड़ाई से पालन करें।

ये निर्देश सभी संबंधितों की जानकारी एवं कड़ाई से अनुपालन के लिए जारी किए गए हैं।

अस्मिता महिला बास्केटबॉल लीग चैंपियनशिप 15 नवंबर को

श्री विजयपुरम, 9 नवंबर।

अस्मिता महिला बास्केटबॉल लीग चैंपियनशिप का आयोजन 15 नवंबर को श्री विजयपुरम में किया जाएगा। अस्मिता लीग, जिसे पहले खेलो इंडिया महिला लीग के नाम से जाना जाता था, भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय खेल प्राधिकरण की एक पहल है। इसका उद्देश्य लैंगिक समानता को बढ़ावा देना तथा देशभर की विभिन्न आयु वर्गों की महिला खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक खेल अनुभव प्रदान करना है। अस्मिता का पूरा नाम 'एक्शन के माध्यम से प्रेरणा लेकर खेलों में उपलब्धियां हासिल करना' है।

इस संबंध में, 15 नवंबर, 2026 को श्री विजयपुरम में आयोजित होने वाली अस्मिता महिला बास्केटबॉल लीग चैंपियनशिप (खुली आयु वर्ग श्रेणी) में भाग लेने के लिए इच्छुक बालिका टीमों को सादर आमंत्रित किया गया है।

इच्छुक टीमें अपने प्रवेश आवेदन 14 नवंबर, 2026 तक या उससे पहले राज्य ओलंपिक कार्यालय, नेताजी स्टेडियम, श्री विजयपुरम, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में जमा कर सकती हैं। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष संख्या 7063957589 पर संपर्क किया जा सकता है।

बारिश की संभावना, मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह

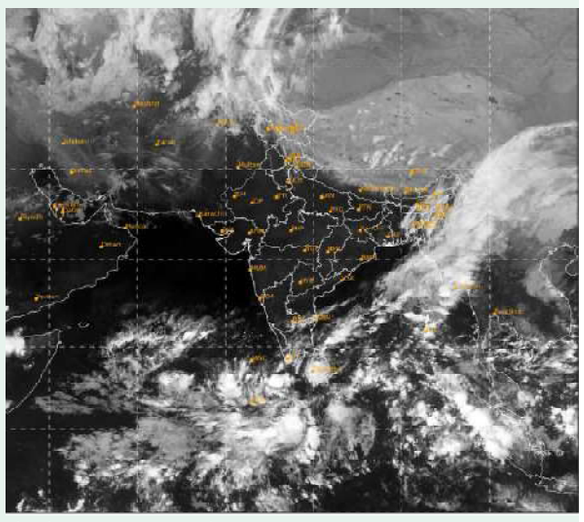
श्री विजयपुरम, 9 नवंबर।

निकोबार द्वीपसमूह के एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा (07 से 11 सेमी) होने की बहुत संभावना है। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के एक या दो स्थानों पर 10, 11, 12 एवं 13 नवंबर को गरज–चमक के साथ बिजली कड़कने तथा 40–50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज झोंकेदार हवाएं चलने की बहुत संभावना है।

14 नवंबर को निकोबार द्वीपसमूह के एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा (07 से 11 सेमी) होने की बहुत संभावना है। इसी दिन अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के एक या दो स्थानों पर गरज–चमक के साथ बिजली कड़कने तथा 30–40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना है।

15 नवंबर को भी अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के एक या दो स्थानों पर गरज–चमक के साथ बिजली कड़कने तथा 30–40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज झोंकेदार हवाएं चलने की बहुत संभावना है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार 10, 12 एवं 13 नवंबर को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के तटों के आसपास तथा समुद्र में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार



से तेज हवाएं चलने तथा कभी–कभी इनकी गति 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। मछुआरों को 10, 12 एवं 13 नवंबर को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के तटों के आसपास तथा समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

आईएनएस चिल्का से 13 नवंबर को पास आउट होकर 3300 अग्निवीर समुद्री सेना का बनेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, 09 नवंबर (हि.स.)। भारतीय नौसेना के लिए तैयार अग्निवीरों का अब तक का सबसे बड़ा बैच 13 नवंबर को पास आउट करेगा। आईएनएस चिल्का से पास आउट होने वाले इस बैच में लगभग 3300 अग्निवीर हैं, जो 16 हफ्ते की कड़ी ट्रेनिंग पूरी करने के बाद समुद्री सेना का हिस्सा बनेंगे। नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल नाविकों के इस 9वें बैच की परेड होस्ट करेगा। आईएनएस चिल्का से निकलने वाला यह अब तक का सबसे बड़ा बैच होगा, जो भारत की मजबूत, युवा और लड़ाई के लिए तैयार समुद्री सेना बनाने की यात्रा के लिए बड़ी उपलब्धि है।



भारतीय नौसेना के सबसे बड़े ट्रेनिंग सेंटर आईएनएस चिल्का पर होने वाली पासिंग आउट परेड के मुख्य अतिथि नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन होंगे और वे परेड की समीक्षा भी करेंगे। यह परेड 3,300 से ज़्यादा प्रशिक्षुओं की 16 हफ़्ते की ट्रेनिंग के सफल समापन का प्रतीक होगी, जिससे यह आईएनएस चिल्का से पास आउट होने वाला सबसे बड़ा बैच बन जाएगा। यह परेड युवा रंगरूटों को अनुशासित, शारीरिक रूप से फुर्तीला, मानसिक रूप से मजबूत और प्रोफेशनली काबिल समुद्री योद्धा बनाने के लिए डिजाइन की गई है।

प्रशिक्षण के दौरान पढ़ाई, फिजिकल कंडीशनिंग, स्विमिंग, परेड ट्रेनिंग, आउटडोर एक्टिविटीज और कैंप शामिल हैं, जो ट्रेनी की प्रोफेशनल यात्रा के लिए एक पूरी नींव देते हैं। कैरेक्टर बिल्डिंग, लीडरशिप, डिसिप्लिन, भाईचारा और टीमवर्क पर बराबर ज़ोर दिया जाता है, साथ ही ड्यूटी, ऑनर और करेज जैसे नेवी के खास मूल्यों को भी सिखाया जाता है। पासिंग आउट परेड प्रशिक्षुओं के लिए गर्व और कामयाबी का पल होगा, क्योंकि उनके परिवार ट्रेनिंग के सफर के आखिर और एक नए करियर की शुरुआत के गवाह बनेंगे। इसके अलावा नौसेना के पुराने सैनिक और खास मेहमान भी इस मौके पर मौजूद रहेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना करेंगे। मेधावी प्रशिक्षुओं, चैंपियन डिवीजन और बेस्ट इंस्ट्रक्टर को उनके शानदार परफॉर्मेंस और ट्रेनिंग में योगदान के लिए अवॉर्ड दिए जाएंगे। कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं की द्विभाषी पत्रिका 'अंकुर' का भी अनावरण होगा। पासिंग आउट परेड को नौसेना के ऑफिशियल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा, जिससे देश भर के लोग इस मौके को देख सकेंगे।

आईपी आधारित दूरसंचार नेटवर्क के लिए पोर्ट शुल्क की नई व्यवस्था एक जनवरी से होगी लागू

नई दिल्ली, 09 नवंबर (हि.स.)। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने आईपी आधारित दूरसंचार नेटवर्क के लिए पोर्ट शुल्क की नई व्यवस्था लागू करने के लिए तीसरा संशोधन विनियम जारी किया है। इसके तहत एक जीबीपीएस क्षमता वाले आईपी पोर्ट का वार्षिक अधिकतम शुल्क 5.6 लाख रुपये और 10 जीबीपीएस पोर्ट का 42.3 लाख रुपये तय किया गया है। ये प्रावधान एक जनवरी 2027 से लागू होंगे।

केंद्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि ट्राई ने सोमवार को श्दूरसंचार इंटरकनेक्शन (पोर्ट शुल्क) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2026श जारी किया। इसके तहत मौजूदा ई1/टीडीएम आधारित इंटरकनेक्शन पोर्ट के साथ आईपी आधारित पोर्ट को भी शुल्क व्यवस्था में शामिल किया गया है। अब पोर्ट की परिभाषा में 2.048 एमबीपीएस क्षमता वाले पुराने ई1 पोर्ट के साथ एमबीपीएस और जीबीपीएस में व्यक्त आईपी पोर्ट भी शामिल होंगे। नए नियमों के तहत दूरसंचार सेवा प्रदाता आपसी सहमति से निर्धारित अधिकतम सीमा से कम शुल्क तय कर सकेंगे। वे एक और 10 जीबीपीएस के अलावा अन्य क्षमता वाले आईपी पोर्ट के लिए भी आपसी सहमति से शुल्क निर्धारित कर सकेंगे।

भारत ने फुट–एंड–माउथ डिजीज सैट–1 से निपटने की तैयारी की तेज, किया राष्ट्रीय अभ्यास का आयोजन

नई दिल्ली, 9 नवंबर (आईएएनएस)। पशुपालन एवं डेयरी विभाग (डीएएचडी) ने आईसीएआर–राष्ट्रीय पशु रोग महामारी विज्ञान एवं सूचना विज्ञान संस्थान (आईसीएआर–निवेदी) के सहयोग से फुट–एंड–माउथ डिजीज (एफएमडी) सीरोटाइप सैट–1 के संभावित खतरे से निपटने के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय टेबलटॉप अभ्यास सफलतापूर्वक आयोजित किया। सैट–1 ऐसा वायरस स्ट्रेन है जिसकी भारत में अब तक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अफ्रीका से बाहर पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में इसके प्रसार को देखते हुए इसकी निगरानी बढ़ाई जा रही है। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी साझा की गई।

"डिटेक्ट अर्ली, कन्फर्म फास्ट, कंटेन टुगेदर" विषय पर आयोजित इस अभ्यास का उद्देश्य सीमा पार फैलने वाले इस पशु रोग के संभावित प्रवेश की स्थिति में भारत की तैयारियों को मजबूत करना और पशुधन, किसानों की आजीविका तथा देश की पशुधन अर्थव्यवस्था की सुरक्षा सुनिश्चित करना था।

इस अभ्यास में 25 राज्यों, तीन केंद्रशासित प्रदेशों और विभिन्न प्रमुख संस्थानों के कुल 83 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें राज्य पशुपालन विभाग, आईसीएआर के संस्थान, पशु रोग निदान प्रयोगशालाएं, पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, वैक्सीन निर्माता कंपनियां तथा रक्षा एवं सीमा सुरक्षा एजेंसियां शामिल रहीं।

अभ्यास के दौरान प्रतिभागियों ने काल्पनिक संक्रमण



परिदृश्यों के आधार पर अपनी तैयारियों का परीक्षण किया। इसमें रोग की पहचान, प्रयोगशाला जांच, महामारी विज्ञान संबंधी जांच, पशुओं की आवाजाही पर नियंत्रण, आपातकालीन टीकाकरण रणनीतियां, जोखिम संचार और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वित प्रतिक्रिया तंत्र जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का मूल्यांकन किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पशुपालन आयुक्त डॉ. नवीन बी.एम. ने अग्रिम योजना, रोग की शीघ्र पहचान, त्वरित प्रतिक्रिया और केंद्र तथा राज्यों के बीच मजबूत समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया।

वहीं आईसीएआर–निवेदी के निदेशक डॉ. बलदेव आर. गुलाटी ने एफएमडी सैट–1 के बदलते महामारी विज्ञान परिदृश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि जोखिम आधारित निगरानी, महामारी संबंधी खुफिया जानकारी और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली इस प्रकार के रोगों के खतरे को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।–आईएएनएस

लगातार खांसी को न करें नजरअंदाज, दिल की बीमारी की भी हो सकती है चेतावनी

नई दिल्ली, 9 नवंबर (आईएएनएस)। शरीर में होने वाले छोटे–छोटे बदलाव कई बार किसी बड़ी स्वास्थ्य समस्या की ओर इशारा करते हैं। अक्सर लोग खांसी, थकान या सांस लेने में हल्की परेशानी को मौसम में बदलाव से जोड़कर देखते हैं। कुछ दिनों तक ऐसी दिक्कत रहने पर भी लोग घरेलू नुस्खों के सहारे इसे ठीक करने की कोशिश करते हैं। लेकिन सेहत से जुड़े हर लक्षण को केवल सामान्य परेशानी मान लेना सही नहीं है।

हृदय रोग की बात करें, तो सीने में दर्द और सांस फूलने जैसे लक्षण दिमाग में आते हैं, लेकिन लगातार बनी रहने वाली खांसी भी कभी–कभी दिल की खराब सेहत का संकेत हो सकती है। दरअसल, दिल और फेफड़े शरीर में एक–दूसरे के साथ मिलकर काम करते हैं। दिल का मुख्य काम खून को शरीर के अलग–अलग हिस्सों तक पहुंचाना है, जबकि फेफड़े खून में ऑक्सीजन मिलाने का काम करते हैं। जब दिल की कार्यक्षमता प्रभावित होती है, तो इसका असर फेफड़ों पर भी पड़ सकता है। यही वजह है कि कुछ हृदय संबंधी बीमारियों में मरीज को खांसी की परेशानी होने लगती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार खांसी का एक कारण हार्ट फेलियर भी हो सकता है। इस स्थिति में हृदय शरीर की जरूरत के मुताबिक खून पंप नहीं कर पाता। इससे शरीर में खून का दबाव बढ़ सकता है और फेफड़ों की रक्त वाहिकाओं पर भी असर पड़ता है। कुछ मामलों में फेफड़ों के आसपास और उनके अंदर तरल पदार्थ जमा होने लगता है। मेडिकल भाषा में इस स्थिति को पल्मोनरी कंजेशन कहा जाता है। फेफड़ों में बढ़ा हुआ यह तरल सांस लेने की सामान्य प्रक्रिया को प्रभावित करता है। शरीर इस परेशानी के कारण खांसी के जरिए प्रतिक्रिया दे सकता है। ऐसे में मरीज को लगातार खांसी के साथ सांस लेने में परेशानी, जल्दी थकान और सीने में भारीपन महसूस होता है।



अगर किसी व्यक्ति को दिन के मुकाबले रात में ज्यादा खांसी होती है, तो इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। हालांकि, कुछ मामलों में यह हृदय की समस्या से भी जुड़ी हो सकती है। जब व्यक्ति लेटता है, तो शरीर में मौजूद तरल पदार्थ का वितरण बदलता है। हार्ट फेलियर से जूझ रहे लोगों में इससे फेफड़ों पर दबाव बढ़ सकता है और सांस लेने में परेशानी महसूस हो सकती है।

ऐसे मरीजों को रात में बार–बार खांसी आ सकती है। कई बार वे अचानक नींद से जाग जाते हैं और उन्हें सांस लेने के लिए बैठना पड़ता है। अगर किसी व्यक्ति को लेटते ही सांस फूलने लगे और बैठने या खड़े होने पर कुछ राहत मिले, तो इसे सामान्य परेशानी समझकर टालना नहीं चाहिए। यह हार्ट फेलियर से जुड़ा एक महत्वपूर्ण संकेत हो सकता है।

खांसी के साथ निकलने वाले बलगम का रंग और बनावट भी कुछ स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान में मदद कर सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति को सांस लेने में गंभीर परेशानी के साथ सफेद या गुलाबी रंग का झागदार बलगम आने लगे, तो यह फेफड़ों में तेजी से तरल जमा होने यानी पल्मोनरी एडेमा का संकेत हो सकता है। यह एक गंभीर मेडिकल इमरजेंसी है। ऐसी स्थिति में मरीज को तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।––आईएएनएस

वायुसेना के आईएल–76 परिवहन विमान ने लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर उतरकर रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली, 09 नवम्बर। रूसी मूल का भारतीय वायुसेना का एक परिवहन विमान लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर सफलतापूर्वक उतरा, जिसके साथ ही उसने दुनिया में अब तक की सबसे अधिक ऊंचाई पर उतरने का रिकॉर्ड बनाया है। यह एयरबेस समुद्र तल से करीब 13,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित है और चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से इसकी दूरी करीब 25 किलोमीटर है।



भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''भारतीय वायुसेना के आईएल–76एमडी विमान ने न्योमा में सफलतापूर्वक उतरकर इतिहास रच दिया है। यह दुनिया में इस विमान की अब तक की सबसे अधिक ऊंचाई पर की गई लैंडिंग है।''

वायुसेना ने कहा, ''यह विमान की लंबे समय से बरकरार क्षमता का शानदार प्रदर्शन है। इसके साथ ही चालक दल के असाधारण कौशल, सटीकता और पेशेवर दक्षता का भी परिचय मिलता है।''वायुसेना ने इस लैंडिंग को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे भारत की रणनीतिक हवाई परिवहन क्षमता और मजबूत होगी।(भाषा)

केंद्र सरकार की पहल, कैंसर दवाइयों की कीमतें 96.45 प्रतिशत तक घटीं

नई दिल्ली, 09 नवम्बर। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि एंटी–कैंसर दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन की संशोधित कीमतें लागू हो गई हैं। साथ ही, 137 एंटी–कैंसर दवाओं के ट्रेड मार्जिन पर सीमा तय होने से उपभोक्ताओं को सालाना लगभग 3,540.38 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है।

डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्युटिकल के अंतर्गत आने वाले 'नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी' (एनपीपीए) ने 137 एंटी–कैंसर दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर ट्रेड मार्जिन की सीमा तय कर दी है। यह निर्णय 17 अक्टूबर, 2026 को 'डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज' द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के अनुसार, 8 नवंबर तक 85 दवा कंपनियों ने 121 दवाओं से जुड़ी 1,364 एंटी–कैंसर फॉर्मूलेशन के लिए संशोधित एमआरपी की जानकारी दी थी।

मंत्रालय ने बताया कि इनमें से 679 ब्रांडों ने कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी की है, जबकि एमआरपी में सबसे ज्यादा कमी 96.45 प्रतिशत रही। ये संशोधित एमआरपी 9 नवंबर से लागू हो गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि उपभोक्ता दवाओं के पैकेट पर छपी संशोधित एमआरपी देख सकते हैं और 'फार्मा सही दाम' मोबाइल एप्लिकेशन या एनपीपीए की वेबसाइट के जरिए कीमतों की पुष्टि कर



सकते हैं। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के अनुसार, 8 नवंबर तक 85 दवा कंपनियों ने 121 दवाओं से जुड़ी 1,364 एंटी–कैंसर फॉर्मूलेशन के लिए संशोधित एमआरपी की जानकारी दी थी। मंत्रालय ने बताया कि इनमें से 679 ब्रांडों ने कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी की है, जबकि एमआरपी में सबसे ज्यादा कमी 96.45 प्रतिशत रही। ये संशोधित एमआरपी 9 नवंबर से लागू हो गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि उपभोक्ता दवाओं के पैकेट पर छपी संशोधित एमआरपी देख सकते हैं और 'फार्मा सही दाम' मोबाइल एप्लिकेशन या एनपीपीए की वेबसाइट के जरिए कीमतों की पुष्टि कर सकते हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि कोई भी केमिस्ट या अस्पताल की फार्मेसी संशोधित एमआरपी से अधिक कीमत नहीं ले सकती।

शांति और विकास के लिए मनाया जाता है अंतरराष्ट्रीय विज्ञान दिवस, जानें इस दिन का महत्व

नई दिल्ली, 09 नवम्बर। हर साल 10 नवंबर को शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस मनाया जाता है. यह दिन समाज में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका और उभरते वैज्ञानिक मुद्दों पर बहस में व्यापक जनता को जोड़ने की आवश्यकता को उजागर करने के लिए मनाया जाता है.

इस दिवस की शुरुआत 1999 में विश्व विज्ञान सम्मेलन का एक परिणाम है. विज्ञान और समाज के प्रतिबद्धता के संबंध में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था. इस कार्यक्रम का आयोजन बुडापेस्ट में हुआ था. जिसे यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद द्वारा सह–आयोजित किया गया था। जिसमें प्रत्येक वर्ष विज्ञान और वैज्ञानिकों के ज्ञान के उपयोग और तय किये लक्ष्यों को प्राप्त करना और उसकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करना था. इसी के साथ कई प्रतिनिधियों ने विज्ञान के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाने की बात का समर्थन किया. इसी कार्यक्रम में इथियोपिया और मलावी के प्रतिनिधिमंडल ने ब्रिटिश एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस के साथ मिल कर विश्व विज्ञान दिवस का प्रस्ताव सबके सामने रखा.

पूरे विचार विमर्श के बाद यूनेस्को के कार्यकारी बोर्ड द्वारा अक्टूबर 2000 में 162 वें सत्र में यूनेस्कों ने सामान्य सम्मेलन के 31 वें सत्र में इस दिवस को अनुमोदित किया. इस सम्मेनल के सकारात्मक परिणाम स्वरूप 2001 में यूनेस्कों ने शांती और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई. इसके बाद पहला शांती और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस 10 नवंबर 2002 में मनाया गया.

वर्ष 2026 के लिए शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस की थीम "Common ground through science



diplomacy" (विज्ञान कूटनीति के माध्यम से साझा आधार) है। यह थीम इस बात पर जोर देती है कि कैसे वैज्ञानिक सहयोग और कूटनीति देशों के बीच आपसी विश्वास, संवाद और शांति को बयावा दे सकती है–विशेषकर तब भी जब भू–राजनीतिक या राजनीतिक तनाव मौजूद हो।

शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नागरिकों को विज्ञान के विकास के बारे में सूचित किया जाए. यह उस उल्लेखनीय नाजुक ग्रह के बारे में हमारी समझ को व्यापक बनाने और हमारे समाजों को अधिक टिकाऊ बनाने में वैज्ञानिकों की भूमिका को भी रेखांकित करता है.

शांतिपूर्ण और स्थायी समाज के लिए विज्ञान की भूमिका पर जन जागरूकता को मजबूत करना है. देशों के बीच साझा विज्ञान के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देना है. समाज के लाभ के लिए विज्ञान के उपयोग के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करना तथा विज्ञान के सामने आने वाली चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित करना और वैज्ञानिक प्रयास के लिए समर्थन जुटाना है.

इतिहास के पन्नों में 10 नवंबर : 2001 में अटल बिहारी वाजपेयी का संयुक्त राष्ट्र महासभा में ऐतिहासिक संबोधन

नई दिल्ली, 09 नवम्बर (हि.स.)। भारतीय कूटनीति के इतिहास में अटल बिहारी वाजपेयी का संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में दिया गया संबोधन महत्वपूर्ण स्थान रखता है। वर्ष 2001 में आज ही के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी ने वैश्विक मंच से आतंकवाद, आर्थिक असमानता और विकासशील देशों की चुनौतियों को प्रमुखता से उठाया था। उनके संबोधन में विश्व शांति, सह–अस्तित्व और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का संदेश प्रमुख था।

वाजपेयी ने आतंकवाद को पूरी मानवता के लिए खतरा बताते हुए कहा था कि इससे निपटना किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समूचे विश्व समुदाय का साझा दायित्व है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता और ठोस अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया था। अपने संबोधन में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की भूमिका और उसकी कार्यप्रणाली में सुधार का मुद्दा भी उठाया। वाजपेयी का मानना था कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों में संयुक्त राष्ट्र को अधिक प्रभावी और लोकतांत्रिक बनाना जरूरी है, ताकि वह विश्व शांति और विकास के उद्देश्यों को बेहतर ढंग से पूरा कर सके।

उन्होंने भारत की ओर से स्थायी शांति, परमाणु निरस्त्रीकरण और समान विकास के प्रति प्रतिबद्धता भी दोहराई। साथ ही विकासशील देशों की समस्याओं और वैश्विक आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत रेखांकित की। यह संबोधन ऐसे समय में हुआ था, जब दुनिया 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में हुए आतंकी हमलों के बाद की परिस्थितियों से गुजर रही थी। अंतरराष्ट्रीय समुदाय आतंकवाद की चुनौती से निपटने के रास्ते तलाश रहा था। ऐसे दौर में वाजपेयी का शांति, सह–अस्तित्व और सहयोग पर दिया गया संदेश भारत के संतुलित कूटनीतिक दृष्टिकोण को सामने रखता था।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1659– शिवाजी ने प्रतापगढ़ किले के निकट अफजल खान को मार गिराया।

1885– गोटलिएब डेमलेर ने दुनिया की पहली मोटरसाइकिल पेश की।

1950– अमेरिका के लेखक विलियम फॉकनर को साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मनित किया गया।

1951– संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रस्ताव 96 को स्वीकार किया।

1983– बिल गेट्स ने विंडोज 1.0 की शुरूआत की।

1989– जर्मनी में बर्लिन की दीवार को गिराने का कार्य शुरू।

1990– चंद्रशेखर भारत के आठवें प्रधानमंत्री बने।

1994– पुलिस ने श्रीयंत्र टापू (श्रीनगर) टापू में पहुँचकर अपना कहर बरपाया।

2000 – गंगा–मेकांग सम्पर्क परियोजना का कार्य प्रारम्भ। इसमें भारत, म्यामां, थाईलैण्ड, कम्बोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।

2004–झेंगझोऊ चीन का आठवाँ सबसे पुराना शहर घोषित।

ग्राम पंचायत कार्यालय, सिप्पीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ग्राम पंचायत सिप्पीघाट, श्री विजय पुरम के सभी वार्डों में स्ट्रीट लाइट के वार्षिक रखरखाव अनुबंध हेतु ई–निविदा सूचना

सं. 2-13/GP/SG/Tender/2026-27/914 दिनांक: 06/11/2026

ग्राम पंचायत सिप्पीघाट, श्री विजय पुरम के प्रधान द्वारा एक वर्ष की अवधि के लिए स्ट्रीट लाइट वार्षिक रखरखाव अनुबंध (AMC) हेतु विद्युत ठेकेदारों (सोसायटी/व्यक्तिगत) से दो–बोली प्रणाली अर्थात तकनीकी बोली एवं वित्तीय बोली के अंतर्गत ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। ठेकेदार के पास कम–से–कम एक लाइनमैन/वायरमैन तथा एक सहायक की टीम होनी चाहिए। टीम के सदस्यों में से कम–से–कम एक के पास इलेक्ट्रिकल ट्रेड में न्यूनतम 2 वर्ष का ।TI प्रमाणपत्र अथवा किसी लाइसेंसिंग बोर्ड द्वारा जारी दक्षता प्रमाणपत्र होना चाहिए। यह कार्य ग्राम पंचायत सिप्पीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान के अंतर्गत होगा।

कार्य का विवरण एवं दायरा, नियम एवं शर्तें आदि निविदा दस्तावेज़ में दिए गए हैं। इन्हें ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.andamannicobar.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की समय–सारणी

1	अनुमानित लागत	**रु. 5,99,880.00** (रुपये पाँच लाख निन्यानवे हजार आठ सौ अस्सी मात्र)।
2	बयाना राशि (EMD) अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत	12,000.00 (रुपए बारह हजार मात्र) यह राशि किसी भी वाणिज्यिक/राष्ट्रीयकृत बैंक से ग्राम पंचायत सिप्पीघाट के पंचायत सचिव के पक्ष में जारी कॉल डिपॉजिट रसीद/बैंक गारंटी/फिक्स्ड डिपॉजिट रसीद के रूप में होनी चाहिए, जिसकी वैधता 12 महीने हो; अथवा ईएमडी छूट प्रमाणपत्र/दस्तावेज़ जमा किया जा सकता है।
3	ऑनलाइन बोली प्रारंभ एवं जमा करने की तिथि और समय	10/11/2026 को अपराह्न 3.00 बजे।
4	निविदा दस्तावेज़ एवं स्ट्रीटलाइट दिशानिर्देश	निविदा दस्तावेज़ ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.andamannicobar.gov.in पर देखे जा सकते हैं। स्ट्रीटलाइट संबंधी दिशानिर्देश ग्राम पंचायत सिप्पीघाट कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।
5	ऑनलाइन बोली जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	27/11/2026 के पूर्वाहन 10.00 बजे तक।
6	तकनीकी बोली खोलना	27/11/2026 को पूर्वाहन 10.30 बजे।
7	वित्तीय/मूल्य बोली खोलना	तकनीकी बोली के सत्यापन के बाद इसकी सूचना https://eprocure.andamannicobar.gov.in के माध्यम से दी जाएगी। केवल उन्हीं बोलीदाताओं की वित्तीय/मूल्य बोली खोली जाएगी जो तकनीकी बोली में योग्य पाए जाएंगे।
8	निविदा जमा करना	निविदाएँ केवल https://eprocure.andamannicobar.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन जमा/अपलोड की जानी हैं।
9	बोली की वैधता अवधि	ग्राम पंचायत द्वारा स्वीकृति हेतु बोली खोलने की तारीख से 60 दिन
10	निविदा खोलने का स्थान	ग्राम पंचायत सिप्पीघाट कार्यालय, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान
11	अनुबंध की अवधि	समझौते/कार्यादेश पर हस्ताक्षर की तारीख से अनुबंध 01 (एक) वर्ष तक वैध रहेगा। दोनों पक्षों की आपसी सहमति से इसे आगे एक वर्ष की अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है।
12	अपलोड किए जाने वाले दस्तावेज़	1. संबंधित कर्मचारियों के तकनीकी योग्यता प्रमाणपत्र की सत्यापित प्रति। 2. स्ट्रीटलाइट रखरखाव कार्य में लगाए गए कर्मचारियों का आदेश/विवरण (संलग्न प्रारूप, परिशिष्ट P के अनुसार)। 3. ईएमडी अथवा ईएमडी से छूट का प्रमाणपत्र (MSME)। 4. बोली सुरक्षा घोषणा : MSME इकाइयों को गैर–न्यायिक स्टाम्प पेपर पर 'बोली सुरक्षा घोषणा पत्र' जमा करना होगा (संलग्न प्रारूप, परिशिष्ट फ के अनुसार)। 5. अनुभव संबंधी मानदंड : यदि बोलीदाता 'अनुभव मानदंड' से छूट चाहता है, तो संबंधित श्रेणी के लिए MSME/स्टार्टअप/SHG के वैध सहायक दस्तावेज़ जमा करने होंगे। पात्रता सिद्ध करने हेतु पंजीकरण प्रमाणपत्र की स्कैन प्रति और दस्तावेज़ी साक्ष्य अपलोड करना आवश्यक है। 6. टर्नओवर संबंधी मानदंड : यदि बोलीदाता 'बोलीदाता टर्नओवर' से छूट चाहता है, तो संबंधित श्रेणी के लिए MSME/स्टार्टअप/SHG के वैध सहायक दस्तावेज़ जमा करने होंगे। पात्रता सिद्ध करने हेतु पंजीकरण प्रमाणपत्र की स्कैन प्रति और दस्तावेज़ी साक्ष्य अपलोड करना आवश्यक है। 7. PAN कार्ड तथा GST पंजीकरण संख्या की प्रति। 8. तकनीकी बोली का एक सेट। 9. पूर्ण निविदा दस्तावेज़ की हस्ताक्षरित एवं मुहर लगी प्रति। 10. पते का प्रमाण – आधारकार्ड/फर्म पंजीकरण की प्रति।

नोट:– बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि अंतिम समय की भीड़ से बचने के लिए अनिवार्य दस्तावेज़ समय रहते ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.andamannicobar.gov.in पर अपलोड कर के ऑनलाइन बोली जमा करें। मूल ईएमडी अथवा ईएमडी छूट प्रमाणपत्र/दस्तावेज़ निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय से पहले ग्राम पंचायत सिप्पीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान के कार्यालय में रखे निविदा बॉक्स में डालना अनिवार्य है। बोली जमा करने के अंतिम समय में होने वाली किसी भी विफलता के लिए ग्राम पंचायत जिम्मेदार नहीं होगी।

ग्राम पंचायत सिप्पीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान के प्रधान को बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी कोटेशन/निविदाओं को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।

प्रधान, ग्राम पंचायत सिप्पीघाट

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, वी.के.पुर, लिटिल अण्डमान की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी–।/आर आर/2025–26/55

कार्य का नाम : लिटिल अण्डमान, वी. के. पुर, ग्राम पंचायत के अंर्तगत वी.के. पुर 08 में मुख्य सड़क से विजय कुजूर के घर तक ब्लैक टॉप रोड का निर्माण कार्य (पुनः निविदा)।

अनुमानित लागत : रु. 27,31,219/–, धरोहर राशि : रु. 54,624/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 11/11/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_25737_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

Phone: (Off.) 03192-230480, Fax: 03192-240486, E-mail: dss.and@nic.in
ANDAMAN AND NICOBAR ADMINISTRATION, DIRECTORATE OF SHIPPING SERVICES
SRI VIJAYA PURAM - 744101, No. P-16017/20/2023-PLG SECTION-SS-SHIP_AN

Dated the 06th November, 2026

CORRIGENDUM-VI

Reference is invited to the e-tender published vide tender reference No. P-16017/20/2023-PLG SECTION-SS-SHIP_AN dated 12.06.2026 (Tender ID 2026_DSS_23296_1 dated 12.06.2026) for "Construction and Delivery of Two Work Boats".

The minutes of the pre-bid meetingheld on 01.07.2026 have been uploaded in the in the respective section.Further, following Clause has also been amended in the tender document dated 12.06.2026:

S. No.	Clause as per the tender document dated 12.06.2026	Amended Clause
1.	**Clause 26, S. No. 33:** The hull & deck of the boat are to be made of a single piece GRP mould, built from the combination of chopped strand mat, bi-directional knit fabric and PVC foam core hand-laminated under controlled temperature.	*The hull & deck of the boat are to be made of a single piece FRP (composite) mould, built from the combination of chopped strand mat & high-density PVC foam and core construction with epoxy resin.*

Moreover, in order to give ample time to the bidders, the last date for tender submission and opening of technical bids have been amended as below:

1.	Last date and time of submission of bid	20.11.2026 at 1000 Hrs (IST)
2.	Opening date & time a) Unpriced Techno - commercial Bid	20.11.2026 at 1530 Hrs (IST)

All other terms & conditions apart from the mentioned above remains unchanged. This is for information of all intended participants.

Officer In-Charge (Planning)

खेल मंत्री ने जारी किया खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 का कार्यक्रम, तेलंगाना करेगा मेजबानी

नई दिल्ली, 09 नवंबर (हि.स.)। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने सोमवार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 का पूरा कार्यक्रम घोषित किया। तेलंगाना में 11 से 22 दिसंबर तक आयोजित होने वाले इस आयोजन में 27 प्रतिस्पर्धी और एक प्रदर्शन खेल सहित कुल 28 खेल शामिल होंगे। खेलो इंडिया कार्यक्रम के इतिहास में पहली बार तेलंगाना इसकी मेजबानी करेगा।

हैदराबाद में लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम परिसर, बशीरबाग और आधुनिक गाचीबोवली खेल परिसर सहित विभिन्न स्थानों पर 22 खेलों के पदक मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। बाकी खेलों की मेजबानी खम्मम (तीरंदाजी), हनुमकोंडा (एथलेटिक्स), करीमनगर (जूडो), निजामाबाद (टेबल टेनिस) और महबूबनगर (कबड्डी) करेंगे।

डॉ. मांडविया ने कहा, मुझे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 का कार्यक्रम घोषित करते हुए बेहद खुशी हो रही है। इसके साथ ही खेलो इंडिया प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला की शुरुआत होगी। पिछले कुछ वर्षों में इन आयोजनों ने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का मंच दिया है। इसके बाद खिलाड़ी हमारी योजनाओं के माध्यम से उत्कृष्टता की राह पर आगे बढ़ते हैं। अइची–नागोया में हुए एशियाई खेलों के ठीक बाद खेलो इंडिया यूथ गेम्स आयोजित हो रहे हैं, इसलिए हमें यहां कुछ बेहतरीन प्रदर्शन देखने की उम्मीद है।

12 दिनों तक चलने वाले इस खेल आयोजन में लगभग छह हजार खिलाड़ियों और 1800 सहयोगी स्टाफ के हिस्सा लेने की उम्मीद है। सॉफ्टबॉल पहली बार प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में शामिल होगा, जबकि नौकायन को पहली



बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स के कार्यक्रम में जगह मिली है। हालांकि, नौकायन पदक स्पर्धा नहीं, बल्कि प्रदर्शन खेल के रूप में आयोजित किया जाएगा।

डॉ. मांडविया ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि खेलों का पारिस्थितिकी तंत्र इस तरह विकसित होना चाहिए कि हम ओलंपिक में अधिक से अधिक खेलों में हिस्सा ले सकें। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा है कि हमें समुद्र और पहाड़ों जैसे प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से खेले जाने वाले खेलों को बढ़ावा देना चाहिए। नौकायन भी ऐसा ही एक खेल है। हमें बेहद खुशी है कि हमारे नौकायन खिलाड़ी इन खेलों का हिस्सा बनेंगे और अपने खेल को बढ़ावा देने में मदद करेंगे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स का पिछला संस्करण 3 से 15 मई 2025 तक बिहार में आयोजित किया गया था। इसमें महाराष्ट्र ने 58 स्वर्ण, 47 रजत और 53 कांस्य सहित कुल 158 पदक जीतकर खिताब अपने नाम किया था। यह महाराष्ट्र का पांचवां खेलो इंडिया यूथ गेम्स खिताब था। उसने लगातार तीसरी बार यह उपलब्धि हासिल की थी।

परिवहन दिवस : यात्रा सिर्फ मंजिल तक पहुंचना नहीं, पर्यावरण, सुरक्षा और समावेशिता का भी संतुलन

नई दिल्ली, 9 नवंबर (आईएएनएस)। 'परिवहन दिवस' न केवल परिवहन क्षेत्र के योगदान को याद करने का अवसर है, बल्कि सतत, सुरक्षित और पर्यावरण–अनुकूल परिवहन प्रणाली के निर्माण का संकल्प लेने का भी दिन है। प्रत्येक साल 10 नवंबर को 'परिवहन दिवस' मनाया जाता है, जो हमें याद दिलाता है कि यात्रा सिर्फ मंजिल तक पहुंचना नहीं, बल्कि पर्यावरण, सुरक्षा और समावेशिता का संतुलन है।

भारत में यह दिवस 1950 के दशक से मनाया जा रहा है, जब परिवहन सेवाओं के राष्ट्रीयकरण की शुरुआत हुई। आजादी के बाद परिवहन ने अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनकर विकास की गति को तेज किया। लेकिन, बढ़ते प्रदूषण, सड़क दुर्घटनाओं और भीड़भाड़ के बीच यह दिवस चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा देता है।

'परिवहन दिवस' का इतिहास भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा है। 1947 के बाद सरकार ने रेल, सड़क और जलमार्गों को मजबूत करने पर जोर दिया। 10 नवंबर को विशेष रूप से चुना गया क्योंकि इसी दिन परिवहन सेवाओं के विस्तार की महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित हुई थीं। वर्तमान समय में यह दिन यातायात नियमों, दुर्घटना रोकथाम और तकनीकी उन्नति पर जागरूकता फैलाने का माध्यम बन चुका है।

विश्व स्तर पर 10 नवंबर को ही 'विश्व सार्वजनिक परिवहन दिवस' के रूप में भी जाना जाता है, जो संयुक्त राष्ट्र की पहल से जुड़ा है। 2025 में भारत का परिवहन क्षेत्र काफी प्रगति कर रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों का नेटवर्क अब 1.46 लाख किलोमीटर तक विस्तृत हो चुका है, जो 2014 से दोगुना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'भारतमाला परियोजना' के तहत 34,800 किलोमीटर सड़कें बन रही हैं, जो आर्थिक गलियारों को जोड़ेंगी।

रेलवे में वंदे भारत ट्रेनों की संख्या 150 से अधिक हो गई है, जो सामान्य ट्रेनों की तुलना में अधिक रफ्तार से यात्रा



करने के लिए बनाई गई हैं। वंदे भारत भारतीय रेलवे की अग्रणी सेमी–हाई स्पीड ट्रेनें हैं, जो 2019 में पहली बार शुरू की गईं। वंदे भारत आधुनिक सुविधाओं जैसे वाई–फाई, जीपीएस–आधारित सूचना प्रणाली, ऑटोमैटिक दरवाजे और आरामदायक सीटों से लैस हैं। ये मध्यम दूरी (800 किमी से कम) के लिए डिजाइन की गई हैं और यात्रा समय को काफी कम करती हैं।

यहां तक कि बहुत जल्द भारत में बुलेट ट्रेन का सपना भी साकार होने जा रहा है। इसके अलावा, देश के विभिन्न शहरों में मेट्रो, रैपिड रेल और एक्सप्रेसवे का जाल भी बिछ रहा है, जिसने कहीं न कहीं सभी को प्रभावित किया है। मेट्रो नेटवर्क अब 1,000 किलोमीटर को पार कर गया, जिसमें दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु अग्रणी हैं। इसने दैनिक यात्रा को तेज, सुगम और आरामदायक बनाया है। वहीं, अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से भी सकारात्मक असर पड़ा है।

वायु परिवहन में 'उड़ान योजना' ने छोटे एयरपोर्ट को जोड़ा, जबकि जलमार्गों पर सागरमाला प्रोजेक्ट से माल ढुलाई पहले की तुलना में सस्ती हुई। सरकार का मानना है कि भारत का परिवहन क्षेत्र 2030 तक जीडीपी में 15 प्रतिशत का योगदान देगा, बशर्ते सतत विकास पर फोकस रहे।–आईएएनएस

देशभर के स्वच्छ सर्वेक्षण के विजेता बुधवार को होंगे सम्मानित

नई दिल्ली, 09 नवंबर (हि.स.)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु बुधवार (11 नवंबर) को यहां विज्ञान भवन में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025–26 के पुरस्कार प्रदान करेंगी। इस दौरान देश के सबसे स्वच्छ शहरों के साथ स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों को भी सम्मानित किया जाएगा। केंद्रीय आवस एवं शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार स्वच्छ सर्वेक्षण का दसवां संस्करण 'स्वच्छता की नई पहल– बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथ' विषय पर आयोजित किया गया। वर्ष 2016 में 73 शहरी निकायों से शुरू हुआ यह सर्वेक्षण अब 4,751 से अधिक शहरों तक पहुंच गया है। इस बार शहरी स्थानीय निकायों का मूल्यांकन 10 प्रमुख क्षेत्रों के 43 मानकों पर किया गया। इनमें कचरा प्रबंधन, दिखाई देने वाली स्वच्छता, स्वच्छता सुविधाएं, इस्तेमाल किए गए पानी का प्रबंधन, सफाई कर्मचारियों का कल्याण और नागरिकों की प्रतिक्रिया शामिल हैं। देशभर में 3,000 से अधिक प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ताओं ने जीपीएस आधारित निगरानी के साथ स्थलीय आकलन किया।

हर व्यक्ति के लिए अलग होती है योग थेरेपी, अपनाने से पहले जानें इसकी भूमिका और सीमाएं

नई दिल्ली, 9 नवंबर (आईएएनएस)। आयुष मंत्रालय ने योग थेरेपी के सही उपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश जारी किया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि योग थेरेपी एक व्यक्ति–केंद्रित दृष्टिकोण है, जिसमें अभ्यासों का चयन व्यक्ति की जरूरतों और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार किया जाना चाहिए।

मंत्रालय के अनुसार, योग थेरेपी में एक ही तरीका सभी के लिए उपयुक्त नहीं होता। प्रत्येक व्यक्ति की शारीरिक संरचना, लचीलापन और आंतरिक स्वास्थ्य भिन्न होता है। इसी अनुसार, हर व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताएं अलग–अलग होती हैं, इसलिए योग्य योग चिकित्सक की निगरानी में ही अभ्यास चुनना चाहिए। नियमित अभ्यास, जीवनशैली में उचित बदलाव और निरंतर निगरानी इसके प्रभावी होने के लिए जरूरी हैं।

आयुष मंत्रालय ने योग थेरेपी की सीमाओं पर भी जोर दिया है। उच्च रक्तचाप, स्लिप डिस्क, हर्निया, हृदय रोग या हालिया सर्जरी वाले रोगियों के लिए सामान्य योग आसन भी जोखिम भरे हो सकते हैं। साथ ही, यह तत्काल राहत देने वाला उपचार नहीं है और चिकित्सा आपात स्थितियों के लिए उपयुक्त नहीं माना जा सकता।

एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि योग थेरेपी को चिकित्सा निदान या डॉक्टर द्वारा निर्धारित इलाज का विकल्प नहीं समझना चाहिए। योग थेरेपी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ पूरक रूप में काम कर सकती है और इसका वास्तविक प्रभाव तभी सामने आता है जब अभ्यासकर्ता



की विशिष्ट स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखकर उसके लिए अनुकूलित क्रियाएं निर्धारित की जाएं।

मंत्रालय ने "जागरुकता के साथ योगाभ्यास" अभियान के तहत लोगों से जिम्मेदारी भरे तरीके से योग करने की अपील की है। योग के सही दायरे को समझना ही जिम्मेदार योग अभ्यास का हिस्सा है। डिजिटल युग में इंटरनेट और सोशल मीडिया वीडियो देखकर कठिन अभ्यास करने की प्रवृत्ति बढ़ी है, जो अक्सर चोटों का कारण बनती है।

योग की अधूरी जानकारी और अविवेकपूर्ण अभ्यास लाभ के बजाय गंभीर नुकसान का कारण बन सकता है। ऐसे में आयुष मंत्रालय पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली के साथ सुरक्षित तरीके से जोड़ने पर जोर दे रहा है। नागरिकों से अनुरोध है कि वे योग को समझ–बूझकर अपनाएं और किसी भी स्वास्थ्य समस्या में डॉक्टर की सलाह को प्राथमिकता दें।–आईएएनएस

विदेशी निवेशकों को भारत आए बिना डिजिटल केवाईसी की अनुमति, सेबी ने केवाईसी संबंधी नियमों में दी ढील

नई दिल्ली, 09 नवम्बर। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भारत से बाहर रहने वाले व्यक्तियों (पीआरओआई) के लिए केवाईसी संबंधी नियमों में ढील दी है। इसके तहत वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) के नियमों का अनुपालन करने वाले देशों में रहने वाले पात्र विदेशी निवेशक भारत में शारीरिक रूप से उपस्थित हुए बिना डिजिटल माध्यम से केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे।

संशोधित ढांचा तीन दिसंबर से लागू होगा। इसका उद्देश्य अनिवासी भारतीयों (एनआरआई), भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों (ओसीआई) और विदेशी नागरिकों के लिए भारतीय वित्तीय बाजारों में निवेश की प्रक्रिया को आसान बनाना है। हालांकि, एफएटीएफ के नियमों का अनुपालन नहीं करने वाले देशों में रहने वाले निवेशकों पर केवाईसी की मौजूदा आवश्यकताएं लागू रहेंगी। इस कदम से निवेशकों को जोड़ने की प्रक्रिया सरल होने और भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी निवेशकों की भागीदारी बढ़ने की उम्मीद है।

नए नियमों के तहत बाजार मध्यस्थों को पात्र ग्राहकों से डिजिटल माध्यमों के जरिए केवाईसी संबंधी जानकारी और सहायक दस्तावेज स्वीकार करने की अनुमति होगी। एक अन्य महत्वपूर्ण सुधार के तहत सेबी ने केवाईसी रिकॉर्ड को अलग–अलग बाजार मध्यस्थों के बीच इस्तेमाल करने की सुविधा भी दी है।

इससे निवेशक एक मध्यस्थ के पास उपलब्ध अपने केवाईसी रिकॉर्ड का इस्तेमाल दूसरे मध्यस्थ के साथ लेनदेन के लिए भी कर सकेंगे, भले ही केवाईसी से जुड़ी सभी व्यक्तिगत जानकारियों का सत्यापन नहीं हुआ हो। नियामक ने मध्यस्थों को किसी अन्य सेबी–पंजीकृत मध्यस्थ या किसी अन्य वित्तीय क्षेत्र के नियामक द्वारा विनियमित संस्था की ओर से किए गए केवाईसी पर भरोसा करने की भी अनुमति दी है।

इसके लिए केवाईसी पंजीकरण एजेंसियों (केआरए) या केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री में उपलब्ध रिकॉर्ड का इस्तेमाल किया जा सकेगा। संशोधित ढांचे के तहत विदेशी निवेशकों को अपने पासपोर्ट की प्रतियां और जहां लागू हो, वहां ओसीआई कार्ड की प्रतियां जमा करनी होंगी।